



Hargharpanditji

॥ श्री सावन सोमवार व्रत कथा ॥

ॐ नमः शिवाय

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री सावन सोमवार व्रत कथा ॥

श्रावण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना गया है। इस मास में सोमवार का व्रत विशेष फलदायी होता है। प्राचीन समय में एक निर्धन ब्राह्मण परिवार अत्यंत कष्ट में जीवन व्यतीत करता था। घर में धन नहीं था, रोग और चिंता बनी रहती थी। एक दिन एक साधु वहाँ आए। ब्राह्मण दंपत्ति ने श्रद्धा से सेवा की। प्रसन्न होकर साधु ने कहा कि श्रावण मास के सोमवार व्रत करो, भगवान शिव अवश्य कृपा करेंगे।

उन्होंने नियमपूर्वक प्रत्येक सोमवार उपवास रखा। प्रातः स्नान किया, शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र चढ़ाया। ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप किया और सायंकाल आरती की।

कुछ ही समय में घर की दरिद्रता दूर होने लगी। रोग कम हुए, मन में शांति आई और आय के साधन बनने लगे।

एक अन्य नगर में एक कन्या विवाह योग्य थी, पर बार-बार विवाह में बाधा आती थी। उसने भी सावन सोमवार व्रत किया और श्रद्धा से शिव-पार्वती की पूजा की।

भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा से शीघ्र ही उसका उत्तम विवाह संपन्न हुआ।

इस प्रकार जो भी स्त्री, पुरुष, युवक या युवती सावन सोमवार व्रत श्रद्धा से करते हैं, उनकी उचित मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं।

॥ व्रत विधि संक्षेप ॥

प्रातः स्नान करें।

स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

व्रत का संकल्प लें।

शिवलिंग पर जल, दूध, गंगाजल चढ़ाएँ।

बिल्वपत्र, पुष्प अर्पित करें।

ॐ नमः शिवाय जप करें।

शिव चालीसा / रुद्राष्टकम पढ़ें।

सायंकाल आरती करें।

फलाहार या एक समय सात्विक भोजन करें।

॥ विशेष जप ॥

ॐ नमः शिवाय - 108 बार।
महामृत्युंजय मंत्र - 21 बार।

॥ फल ॥

विवाह योग।
मनोकामना सिद्धि।
रोग शांति।
धन लाभ।
परिवार सुख।
मानसिक शांति।
शिव कृपा।

॥ नियम ॥

झूठ न बोलें।
क्रोध न करें।
निंदा न करें।
सात्विक रहें।
दान करें।

॥ इति श्री सावन सोमवार व्रत कथा सम्पूर्णम् ॥

Hargharpanditji

PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR